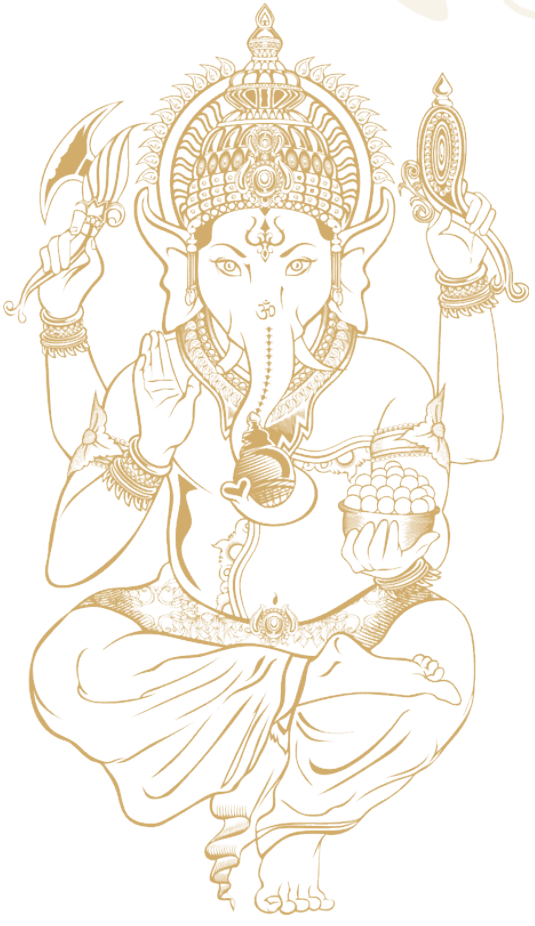

Dharmendra

Gauri

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121531205

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
16-17/03/1992	जन्म तिथि	19/10/1999
सोम-मंगलवार	दिन	मंगलवार
घंटे 03:55:25	जन्म समय	19:15:00 घंटे
घटी 53:41:07	जन्म समय(घटी)	32:16:10 घटी
India	देश	India
Iglas	स्थान	Hathras
27:43:00 उत्तर	अक्षांश	27:36:00 उत्तर
77:56:00 पूर्व	रेखांश	78:02:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:18:16	स्थानिक संस्कार	-00:17:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:26:58	सूर्योदय	06:20:01
18:27:46	सूर्यास्त	17:45:37
23:45:11	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:01

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 3वर्ष 0मा 1दि		12:40:51	मक	लग्न	वृष	00:42:01	मंगल 6वर्ष 8मा 1दि	
चन्द्र		02:50:08	मीन	सूर्य	तुला	01:52:40	गुरु	
19/03/2021		07:36:37	सिंह	चंद्र	मक	23:57:29	21/06/2024	
19/03/2031		27:36:32	मक	मंगल	धनु	07:57:45	21/06/2040	
चन्द्र	17/01/2022	17:33:29	मीन	बुध	तुला	25:26:03	गुरु	09/08/2026
मंगल	18/08/2022	13:47:01	सिंह व	गुरु व	मेष	06:38:46	शनि	19/02/2029
राहु	17/02/2024	09:52:21	कुंभ	शुक्र	सिंह	15:54:10	बुध	28/05/2031
गुरु	18/06/2025	20:47:08	मक	शनि व	मेष	21:15:39	केतु	03/05/2032
शनि	17/01/2027	12:33:22	धनु व	राहु व	कर्क	15:57:25	शुक्र	02/01/2035
बुध	18/06/2028	12:33:22	मिथु व	केतु व	मक	15:57:25	सूर्य	21/10/2035
केतु	17/01/2029	23:43:07	धनु	हर्ष व	मक	19:01:05	चन्द्र	19/02/2037
शुक्र	17/09/2030	24:52:43	धनु	नेप	मक	07:44:45	मंगल	26/01/2038
सूर्य	19/03/2031	29:04:31	तुला व	प्लूटो	वृश्चि	14:53:15	राहु	21/06/2040

लग्न-चलित

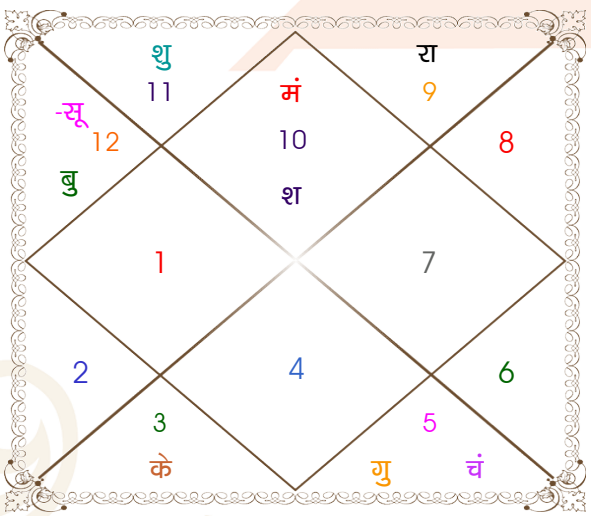

लग्न-चलित

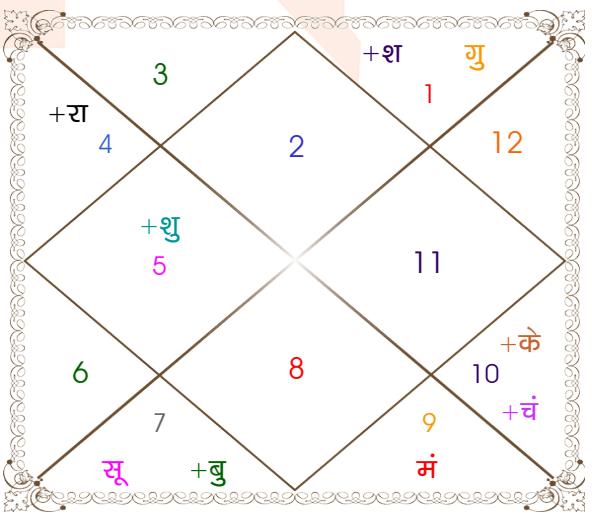

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	शनि	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

कींतउमदकतं का वर्ग मूषक है तथा ळंनतप का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार कींतउमदकतं और ळंनतप का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

कींतउमदकतं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में कर्क राशि तथा लग्न में मकर राशि का मंगल हो तब मंगली दोष समापत समझना चाहिए।

क्योंकि मंगल कींतउमदकतं कि कुण्डली में प्रथम भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल कींतउमदकतं कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ळंनतप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ळंनतप कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

वींतउमदकतं तथा ळंनतप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।